कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), कृष्णानगर, मथुरा

Email: eexiiupjnmtr@gmail.com, Mob. 9473942634

पत्राक 601 / J.J.M / 142 दिनांक 2-7-2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण),
उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण),
प्रधान कार्यालय, लखनऊ।

विषय– अमर उजाला मथुरा संस्करण में दिनांक 02.07.2026 को प्रकाशित समाचार "फव्वारा नहीं यह लीकेज है" के संबंध में तथ्यात्मक आख्या।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि अमर उजाला मथुरा संस्करण में दिनांक 02.07.2026 को प्रकाशित समाचार "फव्वारा नहीं यह लीकेज है" के संबंध में तथ्यात्मक आख्या निम्नवत् प्रेषित है–

जनपद मथुरा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सतह आधारित पाइप पेयजल योजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उक्त योजना के अंतर्गत बिछाई गई ट्रांसमिशन/राइजिंग मेन पाइपलाइन का हाइड्रो टेस्टिंग कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है। इस परीक्षण के दौरान पाइपलाइन में पानी भरकर उसे उसकी डिजाइन क्षमता से लगभग 1.5 गुना अधिक दाब (Pressure) पर परीक्षण किया जाता है, जिससे पाइपलाइन एवं उसके समस्त जॉइंट्स की गुणवत्ता, मजबूती एवं जलरोधकता का सत्यापन सुनिश्चित किया जा सके।

दिनांक 01.07.2026 को तहसील मांट के अन्तर्गत नौहझील–शेरगढ़ के मध्य हाइड्रो टेस्टिंग के दौरान पाइपलाइन के एक डमी जॉइंट से पानी का रिसाव (Leakage) हुआ, जिसके कारण कुछ समय के लिए पानी सड़क पर आ गया। यह स्थिति हाइड्रो टेस्टिंग प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली सामान्य तकनीकी घटना है। हाइड्रो टेस्टिंग का उद्देश्य ही पाइपलाइन में संभावित कमजोर बिंदुओं एवं दोषयुक्त जॉइंट्स की पहचान कर उनका समय रहते आवश्यक सुधार सुनिश्चित करना होता है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही कार्यदायी संस्था द्वारा तत्काल हाइड्रो टेस्टिंग रोककर पानी का प्रवाह बंद कराया गया तथा रिसाव वाले डमी जॉइंट की मरम्मत का कार्य कराया गया। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के उपरांत संबंधित स्थल पर पुनः हाइड्रो टेस्टिंग कराई जा रही है, जिससे पाइपलाइन की गुणवत्ता एवं सुरक्षा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जा सके।

यह भी उल्लेखनीय है कि उक्त सतह आधारित पाइप पेयजल योजना वर्तमान में निर्माणाधीन है तथा नियमित पेयजल आपूर्ति अभी प्रारंभ नहीं हुई है। योजना का निर्माण कार्य दिसम्बर, 2027 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। अतः समाचार में प्रदर्शित घटना का नियमित पेयजल आपूर्ति अथवा योजना की कार्यक्षमता से कोई संबंध नहीं है। यह केवल गुणवत्ता परीक्षण (Hydro Testing) के दौरान उत्पन्न हुई एक अस्थायी तकनीकी स्थिति थी, जिसका तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही कर दी गई है।

अतः उपर्युक्त के क्रम में तथ्यात्मक आख्या सादर प्रेषित है।

भवदीय,

(दिनेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

1. जिलाधिकारी महोदय/मुख्य विकास अधिकारी महोदया/अपर जिलाधिकारी महोदय, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति अनुभाग, मथुरा को सादर सूचनार्थ।
2. मुख्य अभियन्ता (आ0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा।
4. जिला सूचना अधिकारी, मथुरा।

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सम्बन्धित सहायक अभियन्ता/जूनियर इन्जीनियर।
2. टीम लीडर, मै0 फिचनर कन्सलटिंग इन्जीनियर्स (टी0पी0आई0), आगरा कलस्टर, आगरा।
3. प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 एन0सी0सी0–एपको (जे0वी0) मथुरा।

अधिशासी अभियन्ता

G:Letter 2026-349